हिन्दी सुलेख

1. मेरा भारत महान है।
2. हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है।
3. विद्या सबसे बड़ा धन है।
4. सदा सच और मधुर बोलो।
5. एकता में बड़ा बल है।
6. बड़ो का सदा सम्मान करो।
7. माता–पिता की आज्ञा मानो।
8. सत्य की सदा विजय होती है।
9. समय अनमोल धन है।
10. रक्तदान महादान है।

11. अज्ञान को ज्ञान ही मिटा सकता है।

12. देश प्रेम से बढकर कोई धर्म नहीं।

13. परिवर्तन इस संसार का नियम है।

14. ईश्वर की नजर में सब बराबर है।

15. देश की रक्षा करना हमारा कर्त्तव्य है।

16. भय मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।

17. समय किसी की प्रतिक्षा नहीं करता।

18. चींटी एक सामाजिक प्राणी है।

19. सबकी भलाई करना ही सच्चा धर्म है।

20. ईश्वर सभी को प्यार करता है।

21. अपने गुरु का सदैव सम्मान करना चाहिए।

22. संकट के समय धैर्य रखना चाहिए।

23. कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

24. स्वच्छता है जहां ,खुशहाली है वहां।

www.rajteachers.com

25. अज्ञानता से बढकर कोई अंधकार नहीं है।

26. अतिथि सेवा श्रेष्ठ धर्म है।

27. निराशा निर्बलता का चिह्न है।

28. पहला सुख –निरोगी काया ।

29. ज्ञान बांटने से सदैव बढता है।

30. आत्मबल से बड़ा काई बल नहीं है।

31. आशा सफलता की प्रथम सीढी है।

32. संतोष ही सबसे बड़ा ऐश्वर्य है।

33. आवश्यकता से अधिक बोलना व्यर्थ है।

34. आलस्य दरिद्रता का मूल है।

35. आवश्यकता अविष्कार की जननी है।

36. सुन्दर आचरण सुन्दर देह से अच्छा है।

37. चरित्र आत्मसम्मान की नींव है।

38. संयम और श्रम मानव के सर्वोतम चिकित्सक है।

www.rajteachers.com

39. अहिंसा सर्वोत्तम धर्म है।

40. अपराधी मन संदेह का अड्डा है।

41. विद्या अमूल्य और अनश्वर धन है।

42. डर सदैव अज्ञानता से पैदा होता है।

43. चरित्र वृक्ष है और प्रतिष्ठा उसकी छाया।

44. अभिमान नरक का द्वार है।

45. आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।

46. ज्ञान का अन्तिम लक्ष्य चरित्र निर्माण है।

47. कष्ट उठाए बिना सफलता नहीं मिलती है।

48. ईमानदार व्यक्ति ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना है।

49. चरित्रवान व्यक्ति ईश्वर के समान है।

50. कर्मो की आवाज शब्दों से ऊंची होती है।

51. दया धर्म का मूल है।

52. क्रोध क्षणभर का पागलपन है।

www.rajteachers.com

53. मौन बातचीत की महान कला है।

54. ज्ञानी दोस्त जिंदगी का सबसे बड़ा वरदान है।

55. परिवर्तन ही सृष्टि है।

56. प्रार्थना परिष्कार की जननी है।

57. लोभ नाश की जड़ है।

58. भाग्य साहसी का साथ देता है।

59. एक बुराई ,दूसरी बुराई की जड़ है।

60. सबके सुख में ही हमारा सुख है।

61. अच्छी पुस्तक सबसे बड़ा मित्र है।

62. प्रसन्नता स्वास्थ्य देती है और विषाद रोग।

63. केवल खुद के लिए जीना पशुता है।

64. समस्या जीवन का अन्त नहीं,शुरुआत है।

65. एक पेड़ ,सौ पुत्र समान।

66. सवधानी हटी ,दुर्घटना हटी।

www.rajteachers.com

67. मांगना, मरने के समान है।

68. घृणा पाप से करो ,पापी से नहीं।

69. काल करे सो आज कर।

70. झूठ इन्सान को अन्दर से खोखला कर देता है।

71. मुस्कान प्रेम की भाषा है।

72. परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

73. विचारों की पवित्रता ही नैतिकता है।

74. शिक्षक नई पीढी के निर्माता है।

75. समय का सदुपयोग उन्नति का मूलमंत्र है।

76. मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है।

77. बच्चे की प्रथम पाठशाला उसकी मां है।

78. गलती करना मनुष्यत्व है और क्षमा करना देवत्व।

79. कीर्ति विरोचित कार्यो की सुगंध है।

80. ऊद्यम ही सफलता की कुंजी है।

www.rajteachers.com

81. मुसीबत में सहायता करना मानव धर्म है।

82. चरित्र सबसे बड़ी पूंजी है।

83. झूठ बोलना सबसे बड़ा पाप है।

84. परिश्रम सफलता की कुंजी है।

85. करे योग, रहे निरोग।

86. जल ही जीवन है।

87. पेड़ प्रकृति का श्रृंगार है।

88. सादा जीवन –उच्च विचार।

89. पानी अमूल्य है। इसे व्यर्थ न बहाएं।

90. अनुशासन विद्यार्थी की पहचान है।

91. बाल विवाह सामाजिक अपराध है।

92. तिरंगा हमारी आन बान शान है।

93. भारत विविधताओं का देश है।

94. मीठे बोल, होते अनमोल।

95. पेड़–पौधे हमारे सच्चे मित्र है।

96. बुरे का फल बुरा होता हैं।

97. घमंड इन्सान को अंधा कर देता है।

98. बिता हुआ समय वापिस नहीं आता है।

99. आचरण के बिना ज्ञान भार है।

100. क्षमा वीरों का भूषण है।

www.rajteachers.com